10वीं आसियान रक्षा मंत्रियों की मीटिंग-प्लस

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत के रक्षा मंत्री ने जकार्ता, इंडोनेशिया में **आसियान रक्षा मंत्रियों की 10वीं मीटिंग- प्लस (ADMM-Plus)** में भाग लिया।

ADMM-प्लस बैठक में भारतीय संबोधन की मुख्य बातें क्या हैं?

- **आसियान केंद्रीयता:**
  - भारत ने **आसियान की केंद्रीय भूमिका** के महत्त्व की पुष्टि की और क्षेत्र में बातचीत तथा आम सहमति को बढ़ावा देने में उसके प्रयासों की सराहना की।
- **अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के प्रति प्रतिबद्धता:**
  - भारत ने अंतर्राष्ट्रीय कानूनों, विशेष रूप से **सामुद्रिक कानून पर संयुक्त राष्ट्र अभिसमय (UNCLOS) 1982** के अनुरूप अंतर्राष्ट्रीय जल में नेविगेशन, ओवरफ्लाइट और वैध वाणिज्य की स्वतंत्रता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।
- **क्षेत्रीय सुरक्षा पहल:**
  - भारत ने **परामर्शी और विकास-उन्मुख सुरक्षा पहल** का समर्थन किया, जो क्षेत्र में **समुद्री सुरक्षा को बढ़ाने के लिये ADMM-प्लस** के भीतर व्यावहारिक, दूरदर्शी सहयोग के लक्ष्य के साथ हितधारकों के बीच सहमति को प्रतिबिंबित करता है।
- **संवाद और कूटनीति:**
  - भारत ने स्थायी शांति और वैश्विक स्थिरता के लिये बातचीत एवं कूटनीति के महत्त्व पर ज़ोर दिया, **"हम बनाम वे" की मानसिकता को त्यागने पर ज़ोर दिया और कहा कि यह युद्ध का युग नहीं है।**
- **सहयोगात्मक पहल:**
  - भारत ने **संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में महिलाओं** के लिये पहल, समुद्री प्लास्टिक प्रदूषण नियंत्रण के लिये पहल, आसियान-भारत समुद्री अभ्यास तथा **मानवीय सहायता और आपदा राहत (HADR)** कार्यों पर विशेषज्ञ कार्य समूह (EWG) जैसी संयुक्त पहल में आसियान सदस्य देशों की भागीदारी की सराहना की।
  - भारत ने **आतंकवाद से निपटने पर EWG की सह-अध्यक्षता करने का प्रस्ताव** रखा, जो आसियान क्षेत्र में आतंकवाद के गंभीर खतरे के कारण ADMM-प्लस द्वारा समर्थित चिंता का विषय है।
  - वर्तमान 2021-2024 चक्र में **भारत इंडोनेशिया के साथ HADR पर EWG की सह-अध्यक्षता कर रहा है।**

ADMM-प्लस क्या है?

- **परिचय:**
  - ADMM-प्लस **आसियान** (ASEAN) (ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्याँमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड तथा वियतनाम) एवं इसके **आठ संवाद साझेदार**

ns knowledge point

देशों ऑस्ट्रेलिया, चीन, भारत, जापान, न्यूज़ीलैंड, कोरिया गणराज्य, रूस व संयुक्त राज्य अमेरिका (सामूहिक रूप से “प्लस देश/Plus Countries” के रूप में संदर्भित) का एक मंच है। जिसका उद्देश्य संबद्ध क्षेत्र में **शांति**, स्थिरता तथा विकास **के लिये सुरक्षा एवं रक्षा सहयोग को सशक्त** करना है।

- ADMM आसियान में **सर्वोच्च रक्षा सलाहकार व सहकारी तंत्र** के रूप में कार्य करता है।

- **स्थापना:**
  - वर्ष 2010 में **हनोई, वियतनाम** में प्रथम ADMM-प्लस का आयोजन हुआ।
  - वर्ष 2017 के बाद से ADMM-प्लस की वार्षिक बैठक होती है, ताकि तेज़ी से चुनौतीपूर्ण क्षेत्रीय सुरक्षा माहौल के बीच **आसियान तथा प्लस देशों** के बीच बातचीत एवं सहयोग बढ़ाया जा सके।
- **उद्देश्य:**
  - आसियान सदस्य देशों की विभिन्न क्षमताओं को ध्यान में रखते हुए **क्षमता निर्माण में साझा सुरक्षा चुनौतियों** से निपटने में आसियान सदस्य देशों को सहयोग करना।
  - अधिक संवाद तथा पारदर्शिता के माध्यम से रक्षा प्रतिष्ठानों के बीच परस्पर विश्वास को प्रोत्साहन देना
  -
  - संबद्ध क्षेत्र के समक्ष मौजूद अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए रक्षा एवं सुरक्षा क्षेत्र में सहयोग के माध्यम से क्षेत्रीय शांति व स्थिरता को बढ़ाना;
  - वियनतियाने एक्शन प्रोग्राम के कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाना, जो आसियान को एक शांतिपूर्ण, सुरक्षित और समृद्ध आसियान बनाने एवं हमारे मित्र देशों और संवाद भागीदारों के साथ अधिक दूरदर्शी बाहरी संबंध रणनीतियों को अपनाने का आह्वान करता है।
- **उपलब्धियाँ:**
  - ADMM-प्लस, भागीदार देशों के रक्षा प्रतिष्ठानों के बीच **व्यावहारिक सहयोग के लिये एक प्रभावी मंच** बन गया है।
  - ADMM-प्लस वर्तमान में व्यावहारिक सहयोग के सात क्षेत्रों अर्थात् समुद्री सुरक्षा (MS), आतंकवाद-रोधी (CT), मानवीय सहायता और आपदा प्रबंधन (HADR), शांतिरक्षा अभियान (PKO), सैन्य चिकित्सा (MM), मानवीय खदान कार्रवाई (Humanitarian Mine Action- HMA) और साइबर सुरक्षा (CS) **पर ध्यान केंद्रित करता है।**
  - इन क्षेत्रों में सहयोग को सुविधाजनक बनाने के लिये विशेषज्ञों के कार्य समूह (EWG) की स्थापना की गई है।
    EWG की सह-अध्यक्षता एक **आसियान सदस्य देश और एक प्लस देश द्वारा** की जाती है, जो तीन वर्ष के चक्र में संचालित होती है।

ns knowledge point